Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[4702]-111

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2015

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-1 : सामान्य स्तर

(आधुनिक हिंदी कथा साहित्य)

(उपन्यास तथा कहानी)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) कालजयी हिंदी कहानियाँ—
सं. रेखा सेठी, रेखा उप्रेती।
(*ii*) विज़न—मैत्रेयी पुष्पा।

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'आधुनिक कहानी ने सामाजिक यथार्थ के साथ मानव मन की गहराइयों को भी शब्दांकित किया है।' पठित कहानियों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'' 'अकेली' कहानी स्त्री-जीवन की व्यथा-कथा को हृदयस्पर्शी रूप में अभिव्यक्त करती है।'' सोदाहरण विवेचन कीजिए।

2. '' 'विज़न' वर्तमान उच्च शिक्षित नारी की स्थिति गति को व्यंजित करता है।'' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'विज़न' उपन्यास की कथावस्तु लिखते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

3. 'आदमी का बच्चा' कहानी में चित्रित बालमनोविज्ञान को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'विज़न' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता

(ख) लाल गुलाब और फौजी भाई

(ग) डॉ. आलोक।

4. 'विज़न' उपन्यास में चिकित्सा क्षेत्र का यथार्थ चित्रित हुआ है। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लिखिए :

(च) 'वापसी' कहानी में चित्रित गजाधरबाबू की व्यथा का चित्रण किस प्रकार हुआ है ?

(छ) 'चीफ़ की दावत' कहानी में आभिजात्य जीवन शैली का चित्रण किस प्रकार हुआ है ?

(ज) 'अपना अपना भाग्य' कहानी में चित्रित मानसिकता को स्पष्ट कीजिए।

(झ) 'अपराध' कहानी के घीसू का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(त) 'गर्मियों के दिन' कहानी में कस्बाई संस्कृति का चित्रण किस प्रकार हुआ है ?

(थ) 'उमस' कहानी के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(द) ''कैसा बुरा रिवाज है कि जिसे जीते-जी तन ढँकने को चीथड़ा भी न मिले, उसे मरने पर नया कफ़न चाहिए।''

अथवा

''तो थोड़े गुड़ का ठंडा रस बनाओ, पीऊँगा। तुम्हारी कसम भी रह जाएगी, जायका भी बदल जाएगा, साथ-ही-साथ हाजमा भी दुरुस्त होगा। हाँ, रोटी खाते-खाते नाक में दम आ गया है।''

(ध) ''यश-अपयश ? किसी के हाथ में नहीं होता। मंगल-अमंगल घटित होना लोगों की भ्रान्ति है। जादू आँखों के छलावे के सिवा क्या है ? सरकारी संस्थानों में हो या निजी प्रैक्टिस में, हर जगह डॉक्टर को 'एबीसी' का मूल मंत्र लेकर जाना चाहिए।''

अथवा

''भगवान, वर दो, शक्ति दो, सहिष्णुता दो और साथ ही विस्मृति दो..... मैं अपना डॉक्टर होना भूल जाऊँ। जो काम दिया गया है करती रहूँ। मुझे कभी ऐसा सपना न आये जिसमें किसी मरीज से सामना हो।''

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[4702]-112

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2015

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-2 : विशेषस्तर

(प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) **विद्यापति :** आलोचना और संग्रह — संपा. डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित ।

(*ii*) **पद्मावत :** मलिक मुहम्मद जायसी — संपा. डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल ।

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. विद्यापति के सौंदर्य-चित्रण का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

अथवा

गीतिकाव्य की दृष्टि से विद्यापति की पदावली का मूल्यांकन कीजिए ।

2. महाकाव्य की दृष्टि से 'पद्मावत' का मूल्यांकन कीजिए ।

अथवा

"पद्मावत में प्रकृति के विविध रूपों का चित्रण हुआ है ।" स्पष्ट कीजिए ।

3. विद्यापति भक्त कवि हैं या शृंगारी कवि ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'पद्मावत' में विरह-भावना

(ख) 'पद्मावत' का रत्नसेन

(ग) 'पद्मावत' की भाषा ।

4. पद्मावत में चित्रित प्रेम-भाव को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) विद्यापति के काव्य की देन को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) विद्यापति के विरह-वर्णन की विशेषताएँ लिखिए ।

(ग) विद्यापति की भाषा पर प्रकाश डालिए ।

(घ) विद्यापति के प्रकृति-चित्रण को स्पष्ट कीजिए ।

(च) विद्यापति के कृष्ण का चित्रण कीजिए ।

(छ) विद्यापति के किन्हीं **दो** प्रिय अलंकारों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(*i*) चानन भेल विषम सर रे भूषन भेल भारी ।
सपनहुँ हरि नहिं आएल रे गोकुल गिरधारी ॥
एक सरि ठाढ़ि कदम-तर रे पथ हेरथि मुरारी ।
हरि-विनु हृदय दगध भेल रे झामर भेल सारी ॥

जास-जाह तोहें ऊधो हे तोंहें मधुपुर जाहे ।
चन्द्र बदनि नहिं जीवत रे बध लागत काहे ॥
भनइ विद्यापति तन-मन रे गुनमति नारी ।
आजु आओत हरि गोकुल रे पथ चलु झटु झारी ॥

अथवा

सजनी, अपरुब पेखल रामा ।
कनकलता अवलंबन ऊअल हरिन-हीन हिमधामा ॥
नयन-नलिनि दओ अंजन-रंजइ भौंह विभंग बिलासा ।
चकित चकोर जोर बिधि बांधल केवल काजए-पासा ॥
गिरिबर-गरुअ पयोधर-परसित गिम गजमोति क हारा ।
काम कम्बु भरि कनक संभु परि ढारत सुरसरि-धारा ॥
पएसि पयाग जाग सत जागइ सोइ पाबए बहुभागी ।
विद्यापति रह गोकुल-नायक गोपीजन अनुरागी ॥

(*ii*) लागीं केलि करै मँझ नीरा । हँस लजाइ बैठ होइ तीरा ।
पदुमावति कौतुक करि राखी । तुम्ह ससि होहु तराइन साखी ।
बादि मेलि कै खेल पसारा । हारू देइ जौ खेलत हारा ।
सँवरहि साँवरि गोरिहिं गोरी । आपनि आपनि लीन्हि सो जोरी ।
बूझि खेल खेलहु एक साथा । हारू न होइ पराएँ हाथा ।
आजुहि खेल बहुरि कित होई । खेल गएँ कत खेलै कोई ।
धनि सो खेल खेलहिं रस पेमा । रौताई औ कूसल खेमा ।
मुहमद बारि परेम की जेउँ भावै तेउँ खेल ।
तीलहि फूलहि संग जेऊँ होइ फुलाएल तेल ।

अथवा

नागमती चितउर पँथ हेरा । पिउ जो गए फिरि कीन्ह न फेरा ।
नागरि नारि काहुँ बस परा । तेइँ बिमोहि मोसौ चितु हरा ।
सुवा काल होइ लै गा पीऊ । पिउ नहिं लेत लेत बरु जीऊ ।
भएउ नरायन बावन करा । राज करत बलि राजा छरा ।
करन बान लीन्हेउ कै छंदू । भारथ भएउ झिलमिल आनंदू ।
मानत भोग गोपीचँद भोगी । लै उपसवा जलंधर जोगी ।
लै कान्हहि भा अकरूर अलोपी । कठिन बिछोउ जिअै किमि गोपी ।
सारस जोरी किमि हरी मारि गएउ किन खग्गि ।
झुरि झुरि पाँजरि धनि भईं बिरह कै लागी अग्गि ।

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4702]-113

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2015

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 3 : विशेषस्तर

(भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. रस निष्पत्ति विषयक अभिनवगुप्त एवं भट्टनायक के द्वारा की गयी व्याख्याओं का विवेचन कीजिए ।

2. साधारणीकरण विषयक प्रमुख मतों का विवेचन कीजिए ।

3. ध्वनि का स्वरूप स्पष्ट करते हुए ध्वनि के भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

4. रीति की परिभाषा देते हुए रीति के विविध पर्यायों की चर्चा कीजिए ।

5. वक्रोक्ति की परिभाषा देते हुए कुंतक के विचारों को समझाइए ।

6. काव्य विषयक भारतीय सिद्धांतों के संदर्भ में औचित्य का महत्व विशद कीजिए।

P.T.O.

7. अलंकार शब्द की व्युत्पत्ति बताते हुए अलंकार और रस की चर्चा कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) रस के अवयव

(ख) अलंकार और अलंकार्य

(ग) ध्वनि और स्फोट सिद्धांत

(घ) औचित्य के भेद ।

Total No. of Questions—**8+8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**8**

Seat No.	

[4702]-114

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2015

HINDI (हिंदी)

प्रश्न-पत्र-4 : विशेषस्तर-वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना : **इस प्रश्न-पत्र में दिये गये पाठ्यक्रमों में से किसी *एक* ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-ग्रंथ : कबीर ग्रंथावली, संपादक—श्यामसुंदर दास

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. कबीर का जीवनवृत्त संक्षेप में बताते हुए उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

2. संत काव्य परंपरा में कबीर का स्थान विशद कीजिए।

3. कबीर के राम का सोदाहरण परिचय दीजिए।

4. कबीर की विरह-भावना सोदाहरण समझाइये।

5. कबीर काव्य में व्यक्त विद्रोह को स्पष्ट कीजिए।

6. कबीर काव्य की प्रासंगिकता समझाइये।

7. कबीर की भाषा पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

P.T.O.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) सतगुर की महिमा अनँत, अनँत किया उपगार।

लोचन अनँत उघाड़िया, अनँत दिखावणहार॥

सतगुर लई कमाँण करि, बाँहण लागा तीर।

एक जु बाह्या प्रीति सूँ, भीतरि रह्या सरीर॥

(आ) पाँणी केरा बुदबुदा, इसी हमारी जाति।

एक दिनाँ छिप जाँहिगे, तारे ज्यूँ परभाति॥

कबीर यहु जग कुछ नहीं, षिन षारा षिन मीठ।

काल्हि जु बैठा माड़ियां, आज नसाँणा दीठ॥

(इ) संतो भाई आई ग्याँन की आँधी रे।

भ्रम की टाटी सबै उड़ाँणीं, माया रहै न बाँधी॥ टेक ॥

हित चित की द्वै थूँनी गिराँनी, मोह बलिंडा तूटा।

त्रिस्नाँ छाँनि परी घर ऊपरि, कुबधि का भाँडाँ फूटा॥

जोग जुगति करि संतौं बाँधी, निरचू चुवै न पाँणीं॥

कूड़कपट काया का निकस्या, हरि की गति जब जाँणी॥

आँधी पीछैं जो जल बूठा, प्रेम हरि जन भीनाँ।

कहै कबीर भाँन के प्रगटे उदित भया तम षीनाँ॥

(आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें : (*i*) श्रीरामचरितमानस (उत्तरकांड)

(*ii*) विनयपत्रिका—संपा. वियोगी हरि

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. तुलसीदास के जीवनवृत्त पर प्रकाश डालते हुए उनकी कृतियों का परिचय दीजिए।

2. तुलसी की भक्ति-पद्धति का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

3. तुलसीदास के दार्शनिक विचार सोदाहरण विशद कीजिए।

4. 'रामचरितमानस' में लोक-जीवन एवं संस्कृति का चित्रण हुआ है—स्पष्ट कीजिए।

5. हिंदी के भक्तिकालीन साहित्य में तुलसीदास का स्थान निर्धारित कीजिए।

6. 'विनयपत्रिका' का प्रयोजन समझाते हुए उसमें चित्रित दैन्य-भाव पर प्रकाश डालिए।

7. 'विनयपत्रिका' की गीतात्मकता का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) दैहिक दैविक भौतिक तापा। राम राज नहिं काहुहि व्यापा॥
सब नर करहिं परस्पर प्रीती। चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती॥
चारिउ चरन धर्म जग माहीं। पूरि रहा सपनेहुँ अघ नाहीं॥
राम भगति रत नर अरु नारी। सकल परम गति के अधिकारी॥

अथवा

राम अनंत अनंत गुनानी।

जन्म कर्म अनंत नामानी॥

जल सीकर महि रज गनि जाहीं।

रघुपति चरित न बरनि सिराही॥

बिमल कथा हरि पद दायनी।

भगति होइ सुनि अनपायनी॥

उमा कहिउँ सब कथा सुहाई।

जो भुसुंडि खगपतिहि सुनाई॥

(ख) जाउँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे।

काको नाम पतित-पावन जग, केहि अति दीन पियारे॥

कौन देव बराइ बिरद-हित हठि-हठि अधम उधारे।

खग, मृग, ब्याध, पषान, बिटप जड़, जवन कवन सुर तारे॥

देव, दनुज, मुनि, नाग, मनुज सब, माया-बिबस बिचारे।

तिनके हाथ दास तुलसी प्रभु, कहा अपनपौ हारे॥,

अथवा

जाके प्रिय न राम-बैदेही।

सो छाँडिये कोटि बैरी सम, जद्यपि परम सनेही॥

तज्यो पिता प्रहलाद, बिभीषण बंधु, भरत महतारी।

बलिगुरु तज्यो, कंत ब्रज-बनितनि, भये मुद-मंगलकारी॥

नाते नेह राम के मनियत सुहृद सुसेव्य जहाँ लौं।

अंजन कहा आँखि जेहि फूटै, बहुतक कहौं कहाँ लौं॥

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार मोहन राकेश

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें : (*i*) आषाढ़ का एक दिन

(*ii*) लहरों के राजहंस

(*iii*) आधे-अधूरे

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. पाश्चात्य दृष्टि से नाटक के तत्वों का विवेचन कीजिए।

2. मोहन राकेश के कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक साहित्य का सामान्य परिचय देते हुए उसमें मोहन राकेश का योगदान विशद कीजिए।

4. 'आषाढ़ का एक दिन' के कालिदास और विलोम का चरित्र-चित्रण कीजिए।

5. रंगमंच और अभिनेयता की दृष्टि से 'लहरों के राजहंस' नाटक का विवेचन कीजिए।

6. नाट्य-कला की दृष्टि से 'आधे-अधूरे' नाटक की समीक्षा कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिये :

(क) भारतीय दृष्टि से नाटक का स्वरूप

(ख) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के रंगमंचीय आयाम

(ग) 'लहरों के राजहंस' नाटक का द्वन्द्व

(घ) 'आधे-अधूरे' नाटक के पुरुष पात्र

8. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(च) तुम्हें आज नई भूमि की आवश्यकता है, जो तुम्हारे व्यक्तित्व को अधिक पूर्ण बना दे।

अथवा

एक आकर्षण सदा मुझे उस सूत्र की ओर खींचता था जिसे तोड़कर मैं यहाँ से गया था। यहाँ की एक-एक वस्तु में जो आत्मीयता थी वह यहाँ से जाकर मुझे कहीं नहीं मिली।

(छ) आत्मवंचना की भी एक सीमा होती है। आज के दिन वे आशीर्वाद देंगी और मुझे! मन में क्या सोच रही होंगी, मैं अच्छी तरह जानती हूँ।

अथवा

बड़े भाई के सम्मान के कारण मैं उन क्षणों के लिए विमूढ़-सा हो रहा, बलपूर्वक विरोध नहीं कर सका। परंतु उसके बाद मैं अपना उत्तर उन्हें दे आया था।

(ज) हर वक्त की दुतकार, हर वक्त की कोंच, बस यही कमाई है यहाँ मेरी इतने सालों की ?

अथवा

आप नहीं जानते, हमने इन दोनों के बीच क्या-क्या गुजरते देखा है इस घर में।

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि अज्ञेय

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें : (*i*) हरी घास पर क्षण भर।

(*ii*) बावरा अहेरी।

(*iii*) कितनी नावों में कितनी बार।

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'अज्ञेय अपने कृतित्त्व में स्वातंत्र्य आराधक, संवेदनशील और विद्रोही स्वभाव के रचनाकार रहे हैं।' स्पष्ट कीजिए।

2. नयी कविता की दृष्टि से अज्ञेय के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

3. अज्ञेय के काव्य में अभिव्यक्त आस्था एवं विश्वास को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

4. अज्ञेय के काव्य की कलागत प्रवृत्तियों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

5. 'हरी घास पर क्षण भर' की पठित कविताओं के आधार पर अज्ञेय की प्रयोगशीलता को स्पष्ट कीजिए।

6. 'बावरा अहेरी' की पठित कविताओं की भावगत विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

7. 'कितनी नावों में कितनी बार' की कविताएँ अज्ञेय की जीवन दृष्टि की परिचायक हैं—स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) भोर बेला—नदी तट की घंटियों का नाद।
चोट खाकर जग उठा सोया हुआ अवसाद।
नहीं, मुझको नहीं अपने दर्द का अभिमान—
मानता हूँ मैं पराजय है तुम्हारी याद!

(ख) सींच रही है ओस हमारे गाने

घने कुहासे में झिपते चेहरे पहचाने

खम्भों पर बत्तियाँ खड़ी हैं सीठी

ठिठक गये हैं मानो पल-छिन आने-जाने।

(ग) यह मधु है : स्वयं काल की मौना का युग-संचय,

यह गोरस : जीवन-कामधेनु का अमृत-पूत पय,

यह अंकुर : फोड़ धरा को रवि को तकता निर्भय,

यह प्रकृत, स्वयम्भू, ब्रह्म, अयुत : इसको भी शक्ति को दे दो।

(घ) जीवनानुभूति : एक पंजा कि जिसमें

तुम्हारे साथ मैं भी तो पकड़ में

आ गया हूँ!

एक जाल, जिसमें

तुम्हारे साथ मैं भी बँध गया हूँ।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4702]-211

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2015

HINDI—प्रश्नपत्र 5 : सामान्य स्तर

(आधुनिक हिंदी नाटक तथा अन्य विधाएँ)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :—
(*i*) कोर्टमार्शल : स्वदेश दीपक
(*ii*) हजारीप्रसाद द्विवेदी के चुने हुए निबंध संपादक— मुकुंद द्विवेदी
(*iii*) यात्रा साहित्य—सं. डॉ. तुकाराम पाटील डॉ. नीला बोर्वणकर

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।.

1. 'कोर्टमार्शल' नाटक की तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए ।

अथवा

'कोर्टमार्शल' नाटक के आधार पर कर्नल सूरतसिंह की न्याय व्यवस्था का विवेचन कीजिए ।

2. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंधों की विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

अथवा

'नाखून क्यों बढ़ते हैं ?' निबंध की प्रतीकात्मकता को स्पष्ट कीजिए ।

3. ''यात्रा साहित्य के मूल में मनुष्य की भ्रमणशील वृत्ति निहित है ।'' पठित यात्रावृत्तों के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'तिब्बत की सीमा पर' में चित्रित जनजीवन का विवेचन कीजिए ।

P.T.O.

4. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'कोर्टमार्शल' नाटक के शीर्षक की सार्थकता

(ख) 'कोर्टमार्शल' नाटक का बिकासराय

(ग) 'देवदारू' का सांस्कृतिक महत्व

(घ) 'साहित्य की सम्प्रेषणीयता' में साहित्य का महत्व

(च) 'यूरोप की अमरावती : रोमा' में चित्रित रोम यात्रा

(छ) 'चीड़ों पर चाँदनी' में प्रकृति चित्रण ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(ज) ''जब दुनिया की अदालत इंसाफ न कर सके, तो कभी-कभी ऊपरवाला इन्साफ कर देता है ।''

(झ) ''इतिहास-विधाता का स्पष्ट इंगित इसी ओर है कि मनुष्य में जो 'मनुष्यता' है, जो उसे पुश से अलग कर देती है, वही आराध्य है । क्या साहित्य और क्या राजनीति, सबका एकमात्र लक्ष्य इसी मनुष्यता की सर्वांगीण उन्नति है ।''

(त) ''आजकल हिंदी को लोग संस्कृत बना रहे हैं । प्रेमचंद कैसा अच्छा लिखते थे । पटना के हिंदी अखबार तक ऐसी भाषा लिखते हैं कि डिक्शनरी लेकर ही उसे समझा जा सकता है ।''

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[4702]-212

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2015

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 6 : विशेषस्तर

(मध्ययुगीन हिंदी काव्य)

(सूरदास, बिहारी, घनानंद)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) भ्रमरगीत सार : सूरदास
संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल

(*ii*) रीतिकाव्यधारा : संपा. डॉ. रामचंद्र तिवारी
डॉ. रामफेर त्रिपाठी

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।.

1. 'वियोग की जितनी अन्तर्दशाएँ हो सकती हैं, वे सब सूरदास के भ्रमरगीत में मौजूद हैं ।' स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

सूरदास के भ्रमरगीत की काव्यकला पर प्रकाश डालिए ।

2. बिहारी की बहुज्ञता पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

अथवा

सतसई परंपरा में बिहारी का स्थान स्पष्ट कीजिए ।

3. घनानंद की विरहानुभूति को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

घनानंद की काव्य-भाषा पर प्रकाश डालिए ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) सूर की गोपियाँ

(2) भ्रमरगीत : एक उपालम्भ काव्य

(3) बिहारी के काव्य में नीतितत्त्व

(4) बिहारी की अलंकार योजना

(5) घनानंद का सौंदर्य-चित्रण

(6) रीतिकालीन काव्य में घनानंद का स्थान ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(1) सखा ! सुनो मेरी इक बात ।
वह लतागन संग गोरिन सुधि करत पछितात ॥
कहाँ वह वृषभानुतनया परम सुंदर गात ।
सुरति आए रासरस की अधिक जिय अकुलात ॥
सदा हित यह रहत नाहीं सकल मिथ्या-जात ।
सूर प्रभु यह सुनौ मोसों एक ही सों नात ॥

(2) गिरि तै ऊँचे रसिक-मन, बूड़े जहाँ हजारू ।
वहै सदा पसुनरन कौं, प्रेम-पयोधि पगारू ॥
दृग, उरझत, टूटत कुटुम, जुरत चतुर-चित्त प्रीति ।
परति गाँठि दुरजन हियै, दई नई यह रीति ॥

(3) झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छ्वै ।
हँसि बोलनि मैं छवि फूलन की, बरषा उर ऊपर जाति है ह्वै ॥
लट लोल कपोल कलोल करै, कल कंठ बनी जलजावलि द्वै ।
अँग अंग तरंग उठै दुति की, परिहै मनौ रूप अबै धर च्वै ॥

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4702]-213

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2015

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 7 : विशेषस्तर

(पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत तथा आलोचना)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।.

1. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

2. प्लेटो और अरस्तु की अनुकरण विषयक धारणा को स्पष्ट करते हुए दोनों के विचारों की तुलना कीजिए ।

3. उदात्त के अंतरंग तथा बहिरंग तत्वों का विवेचन कीजिए ।

4. आई.ए. रिचर्ड्स के संप्रेषण सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए ।

5. टी.एस. इलियट के निर्वैयक्तिकता सिद्धांत का विवेचन कीजिए ।

6. प्रतीकवाद को स्पष्ट करते हुए उसका महत्व एवं सीमाएँ स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

7. आलोचना के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) विरेचन की कलापरक व्याख्या

(2) बिंबों का वर्गीकरण

(3) संरचनावाद

(4) समाजशास्त्रीय आलोचना ।

Total No. of Questions—**8+8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**8**

Seat No.	

[4702]-214

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2015

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 8 : विशेषस्तर : वैकल्पिक

(विशेष विधा तथा अन्य)

(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना :— निम्नलिखित पाठयक्रमों में से किसी *एक* पाठयक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(क) हिंदी उपन्यास

(ख) हिंदी नाटक और रंगमंच

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

(घ) हिंदी दलित विमर्श एवं साहित्य ।

(क) हिंदी उपन्यास

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) गोदान—प्रेमचंद ।

(*ii*) मैला आँचल—फणीश्वरनाथ 'रेणु' ।

(*iii*) राग दरबारी—श्रीलाल शुक्ल ।

(*iv*) एक पत्नी के नोट्स—ममता कालिया ।

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. उपन्यास की परिभाषा को स्पष्ट करते हुए उपन्यास तथा कहानी की तुलना कीजिए ।

P.T.O.

2. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास साहित्य का परिचय दीजिए ।

3. हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियों का उल्लेख करते हुए सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए ।

4. "गोदान ग्रामीण जीवन का महाकाव्य है ।" चर्चा कीजिए ।

5. 'मैला आँचल' में रेणुजी ने एक अंचल विशेष के राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक जीवन के खोखलेपन का जीवंत चित्रण करके मानवता को शक्तिशाली बनाने का प्रयास किया है । स्पष्ट कीजिए ।

6. 'राग दरबारी' की भाषाशैली पर प्रकाश डालिए ।

7. 'एक पत्नी के नोट्स' उपन्यास के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए शीर्षक की सार्थकता को प्रतिपादित कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) उपन्यास के तत्व

(ख) 'गोदान' का होरी

(ग) 'एक पत्नी के नोट्स' उपन्यास की भाषा

(घ) 'मैला आँचल' का उद्देश्य ।

[4702]-214

(ख) हिंदी नाटक और रंगमंच

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) अंधेर नगरी—भारतेंदु हरिश्चंद्र

(*ii*) कोणार्क—जगदीशचंद्र माथुर

(*iii*) एक सत्य हरिश्चंद्र—डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल ।

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।.

1. नाटक के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए महाकाव्य के साथ उसकी तुलना कीजिए ।

2. हिंदी नाटक और रंगमंच का विकासक्रम संक्षेप में लिखिए ।

3. भारतेंदुयुगीन हिंदी नाटक की सामान्य प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए ।

4. अनूदित नाटकों की परंपरा का सामान्य परिचय दीजिए ।

5. नाटक के तत्वों के आधार पर 'अंधेर नगरी' नाटक की समीक्षा कीजिए ।

6. '' 'कोणार्क' द्वारा कला और संस्कृति अपनी चिरंतन उपेक्षा के प्रति विद्रोह का संदेश पहुँचाती है ।'' इस कथन का विवेचन कीजिए ।

7. कथ्य एवं शिल्प की दृष्टि से 'एक सत्य हरिश्चंद्र' नाटक की समीक्षा कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) एकांकी के तत्व

(ख) नाटक का रंगमंचीय पक्ष

(ग) 'कोणार्क' की प्रयोगशीलता

(घ) 'अंधेर नगरी' की प्रासंगिकता ।

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।.

1. भाषा के विविध रूपों का सामान्य परिचय दीजिए ।

2. कार्यालयी हिंदी का स्वरूप बताते हुए इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

3. कार्यालयी लेखन के पल्लवन और प्रतिवेदन का परिचय दीजिए ।

4. जनसंचार माध्यमों का स्वरूप और महत्व विशद कीजिए ।

5. विज्ञापन का स्वरूप स्पष्ट करते हुए इसकी भाषिक विशेषताओं को समझाइए ।

6. दृकश्राव्य माध्यम लेखन का स्वरूप बताते हुए इसकी विशेषताओं को लिखिए ।

7. कम्प्यूटर की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर का सामान्य परिचय दीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) प्रयोजनमूलक हिंदी की प्रयुक्तियाँ

(ख) राजभाषा हिंदी का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

(ग) कार्यालय आदेश

(घ) समाचार लेखन ।

(घ) हिंदी दलित विमर्श एवं साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) दोहरा अभिशाप—कौसल्या बैसंत्री

(*ii*) पहला खत—डॉ. धर्मवीर

(*iii*) आवाजें—मोहनदास नैमिषराय

(*iv*) घुसपैठिये—ओमप्रकाश वाल्मिकी

(*v*) असीम है आसमाँ—डॉ. नरेन्द्र जाधव ।

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।.

1. दलित साहित्य की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसकी प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

2. दलित साहित्य के विकास पर प्रकाश डालिए ।

3. दलित साहित्य के प्रेरणास्त्रोतों की जानकारी दीजिए ।

4. दलित साहित्य की भाषा का सोदाहरण परिचय दीजिए ।

5. 'दोहरा अभिशाप' के कथ्य को संक्षेप में स्पष्ट करते हुए उसके शीर्षक की सार्थकता का विवेचन कीजिए ।

6. 'पहला खत' में अभिव्यक्त दलित साहित्य की विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

7. '' 'घुसपैठिये' में दलित जीवन के यथार्थ की अभिव्यक्ति हुई है ।'' स्पष्ट कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) दलित साहित्य पर कार्ल मार्क्स का प्रभाव

(ख) परंपरागत साहित्य और दलित साहित्य में साम्य

(ग) 'आवाजें' का कथ्य

(घ) 'असीम है आसमाँ' का शिल्प ।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[4702]-311

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2015

HINDI (हिंदी)

सामान्य स्तर : प्रश्नपत्र-9

आधुनिक काव्य

(महाकाव्य, दीर्घ कविताएँ तथा काव्य नाटक)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) **कामायनी**—जयशंकर प्रसाद।

(*ii*) **दीर्घ कविताएँ**—संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन, डॉ. नीला बोर्वणकर

(*iii*) **अंधा युग**—डॉ. धर्मवीर भारती।

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. कामायनी की प्रतीकात्मकता को विस्तार से समझाइए।

अथवा

कामायनी की इड़ा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

P.T.O.

2. असाध्य-वीणा का कथ्य प्रस्तुत करते हुए उसके प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'' 'सरोज-स्मृति' में निराला की असमर्थता, निर्धनता, विद्रोही स्वभाव अभिव्यक्त हुआ है''—सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3. 'अंधा युग' के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए उसके शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'अंधा युग' के पात्रों की प्रतीकात्मकता और उनकी प्रासंगिकता का विवेचन कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) कामायनी का महाकाव्यत्व

(ख) कामायनी में आनंदवाद

(ग) ब्रह्मराक्षस की प्रतीकात्मकता

(घ) पटकथा में व्यक्त युगीन परिवेश

(च) अंधा युग के युधिष्ठिर

(छ) अंधा युग की मंचीयता।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(ज) चिंता करता हूँ मैं जितनी उस अतीत की, उस सुख की,
उतनी ही अनंत में बनती जातीं रेखाएँ दु:ख की।
आह सर्ग के अग्रदूत ! तुम असफल हुए, विलीन हुए,
भक्षक या रक्षक जो समझो, केवल अपने मीन हुए।

अथवा

कौन तुम ? संसृति-जलनिधि तीर-तरंगों से फेंकी मणि एक,
कर रहे निर्जन का चुपचाप प्रभा की धारा से अभिषेक ?
मधुर विश्रांत और एकांत-जगत का सुलझा हुआ रहस्य,
एक करुणामय सुंदर मौन और चंचल मन का आलस्य।

(झ) किंतु, गहरी बावड़ी
की भीतरी दीवार पर
तिरछी गिरी रवि-रश्मि
के उड़ते हुए परमाणु, जब
तल तक पहुँचते हैं कभी
तब ब्रह्मराक्षस समझता है, सूर्य ने
झुककर 'नमस्ते' कर दिया।

अथवा

टूटे हुए पुलों के नीचे
वीरान सड़कों पर/आँखों के
अंधे रेगिस्तानों में
अधूरी जल-यात्राओं में
टूटी हुई चीजों के ढेर में
मैं खोई हुई आजादी का अर्थ
ढूँढ़ता रहा।

(ट) अंधों से शोभित था युग का सिंहासन
दोनों ही पक्षों में विवेक ही हारा
दोनों ही पक्षों में जीता अंधापन
भय का अंधापन, ममता का अंधापन
अधिकारों का अंधापन जीत गया।

अथवा

मैं हूँ युयुत्सु
मैं उस पहिये की तरह हूँ
जो पूरे युद्ध के दौरान रथ में लगा था
पर जिसे अब लगता है कि वह गलत धुरी में लगा था
और मैं अपनी उस धुरी से उतर गया हूँ।

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4702]-312

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2015

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 10 : विशेषस्तर

भाषाविज्ञान

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भाषा-व्यवस्था और भाषा-व्यवहार को समझाते हुए भाषा एवं वाक् का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

2. भाषाविज्ञान की शाखाओं को विशद कीजिए।

3. स्वनविज्ञान की शाखाओं को उदाहरणसहित स्पष्ट कीजिए।

4. स्वनिम की परिभाषा देकर स्वन और स्वनिम में क्या अन्तर है ? समझाइए।

5. रूपिम का स्वरूप स्पष्ट करते हुए रूपिम के भेदों पर प्रकाश डालिए।

6. वाक्य की आवश्यकताएँ विशद कीजिए।

P.T.O.

7. अर्थपरिवर्तन के कारण सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) वर्णनात्मक भाषाविज्ञान

(ख) अर्थविस्तार

(ग) संबंधतत्व के भेद

(घ) स्थान और प्रयत्न के आधार पर व्यंजनवर्गीकरण।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[4702]-313

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2015

Hindi (हिंदी)

प्रश्न-पत्र—11 : विशेषस्तर

हिंदी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तक)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. वीरगाथाओं की विशेषताओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिये :

(क) आदिकाल की सामाजिक परिस्थिति।

(ख) विद्यापति

(ग) पृथ्वीराज रासो।

2. प्रेममार्गी काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ रेखांकित कीजिये।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिये :

(घ) कबीर काव्य की सामाजिक उपादेयता।

(च) मीरांबाई की भक्ति-भावना।

(छ) सूरसागर।

P.T.O.

3. रीतिकालीन शृंगारेतर साहित्य का परिचय दीजिये।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिये :

(ज) रीतिकाल के विविध नाम

(झ) रामचंद्रिका

(ट) भूषण की कविता में राष्ट्रीयता।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर विस्तार से लिखिये :

(*i*) ''आदिकालीन साहित्य परवर्ती साहित्य का प्रेरक और नींव रचने वाला साहित्य है''—सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

(*ii*) भक्तिकालीन नीति काव्यधारा पर प्रकाश डालते हुए बताइये कि इस काव्यधारा में रहीम का क्या योगदान है।

(*iii*) 'रीतिकाल के आचार्य कवियों ने हिंदी काव्यशास्त्र को संपन्न बनाने में समृद्ध योगदान दिया है।'' स्पष्ट कीजिए।

5. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिये : [10]

(*i*) आदिकाल के नामकरण के विविध आधार लिखिये।

(*ii*) रासो के प्रकारों का परिचय दीजिये।

(*iii*) कवि देव का सामान्य परिचय दीजिये।

(*iv*) 'भ्रमरगीत' काव्य का परिचय देकर उसकी विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(*v*) तुलसीदास की भक्तिभावना के बारे में संक्षेप में लिखिये।

(*vi*) रीतिमुक्त कविता से क्या अभिप्राय है ?

(*vii*) बिहारी के साहित्य का परिचय दीजिये।

(आ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक** वाक्य में लिखिये : [6]

(*i*) आदिकाल को 'चारण काल' किसने कहा है ?

(*ii*) नाथपंथ के प्रवर्तन का श्रेय किसे दिया जाता है ?

(*iii*) 'पदमावत' की रचना किन **दो** छंदों में की गयी है ?

(*iv*) सूरदास की पदरचनाओं का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

(*v*) रीतिकाल में 'प्रकृति-चित्रण किस रूप में मिलता है ?

(*vi*) 'नखशिख वर्णन' किसे कहते हैं ?

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[4702]-314

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2015

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-12 : विशेषस्तर : वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना :—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी *एक* ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए :

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

(आ) अनुवाद विज्ञान

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. आलोचना का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए आलोचक के आवश्यक गुणों का विवेचन कीजिए।

2. 'आलोचना अनुसंधानात्मक होती है किन्तु अनुसंधान मात्र आलोचना नहीं है।' स्पष्ट कीजिए।

3. हिंदी आलोचना के विकासक्रम का परिचय दीजिए।

4. आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना पद्धति की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

5. डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना पद्धति के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

6. डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना पद्धति की विशेषताओं का परिचय दीजिए।

P.T.O.

7. डॉ. नगेंद्र की आलोचना पद्धति का स्वरूप तथा विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आलोचना का स्वरूप

(ख) डॉ. नामवर सिंह की आलोचना पद्धति का स्वरूप

(ग) आलोचना के किन्हीं **दो** प्रकारों का परिचय

(घ) डॉ. नंददुलारे वाजपेयी का हिंदी आलोचना में योगदान।

[4702]-314

(आ) अनुवाद विज्ञान

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. विभिन्न परिभाषाओं के आधार पर अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

2. अनुवाद कार्य में सहायक साधनों का विवेचन कीजिए।

3. अनुवाद का मौखिक तथा लिखित स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

4. गद्यानुवाद और पद्यानुवाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

5. नाट्यानुवाद की समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

6. अनुवाद कार्य में मुहावरों और कहावतों से संबंधित समस्याओं को स्पष्ट कीजिए।

7. कम्प्यूटर अनुवाद की आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए उससे संबंधित समस्याओं को विशद कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अनुवाद और लिप्यंतरण की समस्याएँ

(ख) भाषाविज्ञान के अंग और अनुवाद

(ग) अनुवाद समीक्षा की आवश्यकता

(घ) अनुवादक की योग्यता।

[4702]-314

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. जनसंचार माध्यमों के कार्य को स्पष्ट करते हुए इलेक्ट्रॉनिक अंतर्ग्रंथन पर प्रकाश डालिए।

2. भारतीय संचार तकनीकी की विकासमूलक भूमिका का विवेचन कीजिए।

3. सूचना संप्रेषण में सूचना निर्माण तथा सूचना शैली के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

4. जनसंचार माध्यमों से संबंधित साक्षात्कार, सर्वेक्षण वृत्तांत का परिचय दीजिए।

5. जनसंचार माध्यमों के विविध हिंदी भाषा रूपों के अंतर्गत समाविष्ट सामायिक कार्यक्रम तथा सीधा प्रसारण पर प्रकाश डालिए।

6. हिंदी पत्रकारिता में इंटरनेट पत्रकारिता के महत्व को शब्दबद्ध कीजिए।

7. इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के संदर्भ में हिंदी भाषा के मानकीकरण की आवश्यकता तथा भाषा स्थिरता को समझाइए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) प्रिंट मीडिया

(ख) भाषा की सूचनात्मक क्षमता

(ग) ग्राफिक्स

(घ) मल्टीमीडिया।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[4702]-411

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2015

HINDI (हिंदी)

सामान्य स्तर : प्रश्नपत्र-13

आधुनिक काव्य

(खंडकाव्य, विशेष कवि तथा नई कविता)

(2008 PATTERN)

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) **कितने प्रश्न करूँ** — ममता कालिया ।

(*ii*) **युगधारा** — नागार्जुन ।

(*iii*) **काव्यकुंज** — संपा. : रामशंकर राय 'सौमित्र' ।

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. 'कितने प्रश्न करूँ' में सीता द्वारा उठाए गए विविध प्रश्नों पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'कितने प्रश्न करूँ' खंडकाव्य की कलात्मकता पर प्रकाश डालिए ।

2. "नागार्जुन की कविताएँ दिल पर चोट करने वाली हैं, कर्तव्य की याद दिलाने वाली हैं, राह दिखाने वाली भी हैं ।" — पठित कविताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

नागार्जुन की भाषागत विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

P.T.O.

3. गिरिजाकुमार माथुर की कविताओं का शिल्प-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

"भवानीप्रसाद मिश्र की कविताओं में आशा-उल्लास, मस्ती-उत्साह और उदात्त जीवन-मूल्यों की व्यंजना है ।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

4. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) 'कितने प्रश्न करूँ' की सीता का निर्णय ।

अथवा

'कितने प्रश्न करूँ' की सर्ग-योजना ।

(2) भिक्षुणी की वेदना ।

अथवा

'एटम बम' में चित्रित समस्या ।

(3) 'पंद्रह अगस्त' का कथ्य ।

अथवा

'गीत फरोश' की भाषा ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) श्रीराम-नाम से अंकित
मुद्रिका देख हरषाई ।
यों लगा कि इस कारा में
प्रत्यक्ष मिले रघुराई ।
प्रिय के शुभ की आशंकाएँ
झंझा झकोर सी आईं
यदि क्षेम कुशल से हैं वे
क्योंकर फिर देर लगाई !

अथवा

सच कहूँ बड़ा शीतल था
पृथ्वी माँ का आलिंगन;
सारे दुख भूल गई मैं
पाकर मैके का आँगन !
हर नारी को प्रिय होता
माँ का गृह, द्वार, झरोखा;
मेरी वह क्रूर नियति थी
जिसने अब तक था रोका ।

(ख) सह न सकी मैं मुनि का यह आक्षेप,
लगा टूटने रह-रह कोंढ़-करेज
फिर भी किया नहीं मैंने प्रतिवाद,
रोष गरल की भाँति हो गया व्याप्त,
प्रबल ताप से लहू बन गया बर्फ,
ऐंठी जिह्वा, वाक्य हो गए बंद-
चेष्टाएँ भी रह न सकीं अ-निरुद्ध
धाराशायिनी बनी, वत्स मैं, हंत !

अथवा

पौधों या पेड़ों में कभी नहीं फली हैं छुरियाँ
कंद की जड़ से कभी नहीं निकला है विस्फोटक बम्ब
चर कर घास गाय ने दूध के बदले दिया नहीं हलाहल
सोख कर धरती का रस जहर नहीं बरसाता कभी भी बादल
निछावर हम इस पर
तुम्हारी नहीं, हमारी है धरती ।

(ग) हम सब बौने हैं
मन से, मस्तिष्क से भी,
भावना से, चेतना से भी,
बुद्धि से, विवेक से भी
क्यों कि हम जन हैं
साधारण हैं
नहीं हैं विशिष्ट ।

अथवा

जी, माल देखिए दाम बताऊँगा,
बेकाम नहीं है, काम बताऊँगा;
कुछ गीत लिखे हैं मस्ती में मैंने;
कुछ गीत लिखे हैं पस्ती में मैंने;
यह गीत, सख्त सरदर्द भुलाएगा;
यह गीत पिया को पास बुलाएगा ।

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4702]-412

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2015

HINDI (हिंदी)

विशेष स्तर : प्रश्नपत्र-14

(हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाओं का परिचय देते हुए प्राकृत की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

2. आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं के वर्गीकरण का परिचय देते हुए किस विद्वान का वर्गीकरण उचित माना जाता है ? विशद कीजिए ।

3. पश्चिमी हिंदी की आकार बहुला और ओकार बहुला बोलियों का परिचय देकर अवधी की व्याकरणिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

4. हिंदी के शब्द-भंडार के वर्गीकरण को विशद कीजिए ।

5. हिंदी के व्याकरणिक स्वरूप को देकर उसके विकास को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

6. हिंदी के विविध रूपों का परिचय दीजिए ।

7. देवनागरी लिपि के उद्‌भव को देते हुए देवनागरी लिपि में किए गए सुधार पर प्रकाश डालिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) उपसर्ग

(ख) ब्रजभाषा

(ग) लिंग–वचन

(घ) हिंदी भाषा शिक्षण ।

Total No. of Questions—**7**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[4702]-413

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2015

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र : 15 विशेषस्तर

[हिंदी साहित्य का इतिहास]

(आधुनिक काल)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

(*ii*) प्रश्न क्र. **1** से **5** तक के प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*iii*) प्रश्न क्र. **6** तथा **7** अनिवार्य हैं ।

(*iv*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. भारतेंदु पूर्व काल के हिंदी गद्य का सामान्य परिचय देते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

2. प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास साहित्य का परिचय दीजिए ।

3. हिंदी निबंध साहित्य के उद्‌भव और विकास का परिचय दीजिए ।

4. प्रयोगवादी काव्यधारा के उद्‌भव को स्पष्ट करते हुए कवि अज्ञेय के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

5. राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) उपन्यासकार फणीश्वरनाथ 'रेणु'

(2) नाटककार धर्मवीर भारती

(3) आलोचक आ. रामचंद्र शुक्ल

(4) प्रगतिवाद की विशेषताएँ

(5) कवि दुष्यंत कुमार

(6) समकालीन कविता की प्रमुख विशेषताएँ ।

7. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(1) द्विवेदीयुगीन हिंदी निबंध साहित्य की विशेषताएँ लिखिए ।

(2) उपन्यासकार यशपाल के उपन्यासों का परिचय दीजिए ।

(3) निबंधकार हरिशंकर परसाई का सामान्य परिचय दीजिए ।

(4) कवयित्री महादेवी वर्मा की काव्यकृतियों का परिचय दीजिए ।

(5) साठोत्तरी कविता की सामान्य विशेषताएँ लिखिए ।

(6) कवि गिरिजाकुमार माथुर के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

(आ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए ।

(1) इंशा अल्ला खाँ की कहानी का नाम लिखिए ।

(2) भारतेंदु हरिश्चंद्र की प्रसिद्ध पत्रिका का नाम लिखिए ।

(3) 'प्रियप्रवास' किस कवि की रचना है ?

(4) सुमित्रानंदन पंत द्वारा लिखित महाकाव्य का नाम लिखिए ।

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**4+2**

Seat No.	

[4702]-414

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2015

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-16 : विशेषस्तर : वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्त्वपूर्ण सूचना :— निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) भारतीय साहित्य

(ख) लोक साहित्य

(ग) हिंदी पत्रकारिता ।

(क) भारतीय साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. भारतीय साहित्य का अध्ययन करते समय कौन-कौनसी समस्याओं से जूझना पड़ता है ? समझाइए ।

2. भारतीयता की पहचान अनूदित साहित्य में किस प्रकार दृष्टिगोचर होती है ? विशद कीजिए।

3. विविध भाषा-भाषी प्रांतों के साहित्य में भारतीय साहित्य का स्वरूप किस प्रकार उभरा है ? विशद कीजिए ।

4. 'अधूरे मनुष्य' कृति के आधार पर भारतीयता की संकल्पना स्पष्ट कीजिए।

5. 'हयवदन' नाटक में नाटककार ने आज के भारत के बिंब को किस प्रकार शब्दबद्ध किया है ? विवेचन कीजिए।

P.T.O.

6. '1084वें की माँ' उपन्यास के परिप्रेक्ष्य में भारतीय साहित्य की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

7. हिंदी साहित्य में भारतीयता और समाजशास्त्र को किस प्रकार अधोरेखित किया है ? समझाइए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भारतीय साहित्य में मूल्य

(ख) भारतीय साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन

(ग) 'हयवदन' का उद्देश्य

(घ) '1084वें की माँ' में चित्रित नक्सलवाद ।

(ख) लोक साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. 'लोक' शब्द का स्वरूप स्पष्ट करते हुए लोक साहित्य की विशेषताओं का परिचय दीजिए ।

2. लोक साहित्य का मानव विज्ञान, समाज विज्ञान और भूगोल के साथ संबंध स्पष्ट कीजिए।

3. लोक साहित्य संकलन का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए संकलनकर्ता की समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

4. लोकगीत की परिभाषाओं को स्पष्ट करते हुए लोकगीतों का वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।

5. लोक गाथा के उत्पत्तिविषयक सिद्धांतों का विवेचन करते हुए 'सोहनी-महीवाल' लोक गाथा का परिचय दीजिए ।

6. लोक नाट्य की विशेषताएँ लिखते हुए 'रामलीला' और 'नौटंकी' का परिचय दीजिए।

7. लोक कथा का स्वरूप विशद करते हुए लोक कथा में अभिप्राय के महत्व को समझाइए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) लोक साहित्य में भाषा और प्रतीकात्मकता

(ख) लोक साहित्य में सूक्तियाँ और चुटकुले

(ग) होली गीत का परिचय

(घ) लोक साहित्य का नैतिक, सांस्कृतिक दृष्टि से महत्व ।

(ग) हिंदी पत्रकारिता

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. पत्रकारिता का स्वरूप स्पष्ट करते हुए भारतेंदु हरिश्चंद्र की पत्रकारिता पर प्रकाश डालिए।

2. पत्रकारिता के मूलतत्व देते हुए समाचार संकलन का परिचय दीजिए ।

3. समाचार-पत्रों के विविध स्तंभों की योजना का महत्व विशद कीजिए ।

4. संपादन कला को स्पष्ट करते हुए समाचार के विभिन्न स्रोतों पर प्रकाश डालिए ।

5. पत्रकारिता से संबंधित लेखन के विविध आयामों को समझाइए ।

6. रिपोर्ताज लेखन का स्वरूप स्पष्ट करके उसके तत्वों पर प्रकाश डालिए ।

7. प्रिंट पत्रकारिता का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) साक्षात्कार

(ख) खोजी समाचार

(ग) मल्टीमीडिया

(घ) भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार ।